परिशिष्ट-2

FW51(01).08

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर- I

એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.23 | 06 -2023
બાબત 8.1 ઠરાવ/પરિશિષ્ટ 67

(2023– 2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-01

पाठ्य-पुस्तकें : 1. कयमास-वध-चंद बरदाई
2. कबीर-वाणी पीयूष संपा.जयदेव सिंह (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. कयमास-वध-चंद बरदाई

पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता, 'पृथ्वीराज रासो' : आदिकालीन प्रमुख रचना, 'कयमास वध' का कथानक, 'कयमास वध' में इतिहास और कल्पना, 'कयमास वध' का भाव एवम् कला पक्ष।

इकाई-2. कबीर-वाणी पीयूष- संपा.जयदेव सिंह

कबीरः जीवन परिचय, कबीर काव्य का सामाजिक और क्रांतिकारी पक्ष,
कबीर का समन्वयवादी दृष्टिकाण, कबीर का रहस्यवाद और प्रेमानुभूति।
कबीर-काव्य के विषय,कबीर-काव्य के सैद्धांतिक और दार्शनिक आधार।
कबीर-काव्य का कलात्मक पक्ष।

इकाई-3. कवि चंद बरदाई का परिचय, पृथ्वीराज चौहाण का चरित्र,चंद बरदाई का स्वप्र-दर्शन।

इकाई-4. निर्गुण भक्ति धारा की विशेषताएँ, कबीर का रहस्यवाद और प्रेमानुभूति
कबीर की उलटबाँसियाँ, कबीर की भाषा।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3.इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4.इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. पृथ्वीराज रासो-संपा.मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या-श्यामसुंदरदास (नागरी प्रचारिणी सभा)
२. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
३. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
४. हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
५. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
६. कबीर-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
७. कबीर-संपा.विजयेन्द्र स्नातक
८. कबीरः एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. कबीर के आलोचक-डॉ.धर्मवीर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१०.कबीरदासः विविध आयाम-संपा. प्रभाकर श्रोत्रिय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

डॉ.उत्तम पटेल

दि.12/05/2023

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-02

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।अलंकार –सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई-2. रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।
व्यावहारिक समीक्षा -किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

इकाई-3. ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

इकाई-4. औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।
हिंदी कवि -आचार्यों का काव्य-शास्त्रीय चिंतन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) वहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
७. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
८. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
१०.काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – भाग : 1 Core Course-03

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. कामकाजी हिंदी एवम् पत्रकारिता:

रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएँ।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार, सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।

इकाई-2. हिंदी कंप्यूटिंग:

कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक, रख-रखाव एवम् इंटरनेट
समय मितव्ययिता के सूत्र,

इकाई-3. हिंदी कंप्यूटिंग :

इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई-4. समाचार-लेखन :

समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।
संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता,रिपोर्टिंग के क्षेत्र और
प्रकार। लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व। शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला, महत्त्व।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 =26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 =14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण विहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
६. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
७. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
८. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
९. पत्रकारिता:विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१०. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
११. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
१२. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

अथवा

प्रश्नपत्र -4. B. छायावाद Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें: 1. नीरजा-महादेवी वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, ईलाहाबाद)
2. राम की शक्तिपूजा-निराला

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1. नीरजा-महादेवी वर्मा

नीरजा: पीडा और वेदना में आनंद की अनुभूति का काव्य, नीरजा का कथ्य, नीरजा में गीति तत्त्व, नीरजा की भाषा-शैली, नीरजा का भाव और कला पक्ष |

इकाई-2. राम की शक्तिपूजा-निराला

'राम की शक्ति पूजा' का काव्य-स्वरूप, 'राम की शक्ति पूजा' की पात्र-सृष्टि, 'राम की शक्ति पूजा' में रस-योजना और प्रकृति-चित्रण, 'राम की शक्ति पूजा' का कला-पक्ष, 'राम की शक्ति पूजा' एक कालजयी रचना ।

इकाई-3. छायावाद में प्रसाद का स्थान, छायावाद के प्रवर्तक, छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।

इकाई-4. छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि, छायावादी काव्य और निराला।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक –एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. महादेवी: नया मूल्यांकन-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
२. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
३. महादेवी के काव्य में वेदना-प्रभा खरे
४. महादेवी की काव्य-साधना-शिवमंगल सिंह सुमन
५. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
६. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
७. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
८. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण-रामधारी सिंह 'दिनकर' (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
९. निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर-विवेक निराला (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१०. छायावाद के कवि-विजय बहादुर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
११. छायावाद प्रसाद, निराला, महादेवी और पन्त-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१२. निराला और मुक्तिबोध: चार लम्बी कविताएं-नन्दकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१३. निराला की साहित्य साधना : खंड-1-3-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१४. निराला काव्य की छवियाँ-नन्दकिशोर नवल(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१५. महादेवी-दूधनाथ सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल Core Course-05

पाठ्य-पुस्तकें : 1. बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह संपा.डॉ.माताप्रसाद गुप्त एवम् अगरचंद नाहटा (हिंदी परिषद प्रकाशन,इलाहाबाद)

2. ढोला मारू रा दूहा – कुशल लाभ संपा.रामसिंह, सूर्यकिरण पारीक, नरोत्तम स्वामी (राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह:

कवि नरपति नाल्ह का परिचय , 'बीसलदेव रासो' का काव्य-स्वरूप, बीसलदेव रासोः एक शुद्ध श्रृंगारिक विरह काव्य, 'बीसलदेव रासो' में इतिहास और कल्पना, रासक-रासो काव्य परंपरा में, 'बीसलदेव रासो' का स्थान,"बीसलदेव रासो' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

इकाई-2. ढोला मारू रा दूहा –कुशल लाभ

'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण, 'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

इकाई-3. अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास, अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ, अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध।

इकाई-4. आदिकाव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक,श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य। आदिकाव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,गेयता, काव्य-रूप एवम् भाषा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल

३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

४. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)

५. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी

६. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल